SET – 3

Series : GBM/1

कोड नं.
Code No. 29/1/3

रोल नं.
Roll No. | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)
HINDI (Elective)

*निर्धारित समय : **3** घंटे* | *अधिकतम अंक : **100***

*Time allowed : **3** hours* | *Maximum marks : **100***

सामान्य निर्देश :

- *इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।*
- ***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*
- *विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें ।*

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **15**

देश-प्रेम है क्या ? प्रेम ही तो है ! बिना परिचय के प्रेम नहीं हो सकता । इस प्रेम का आलम्बन क्या है ? सारा देश अर्थात् मनुष्य, पशु-पक्षी, नदी-नाले, वन-पर्वत, सागर अर्थात् सारी भूमि और उसके सभी जीव – देश ही तो है ! यह प्रेम किस प्रकार का है ? यह साहचर्यगत प्रेम है । जिनके बीच हम रहते हैं, जिनका हमारा हर घड़ी का साथ रहता है, जिन्हें हम रोज आँखों से देखते हैं, जिनकी बातें हम रोज सुनते हैं अर्थात् जिनके सान्निध्य के हम अभ्यासी हो जाते हैं उनके प्रति राग या लोभ हो सकता है । पशु और बालक भी जिनके साथ अधिक रहते हैं, उनसे परच जाते हैं । यह परचना परिचय ही है और परिचय ही प्रेम का प्रवर्त्तक है । बिना परिचय के प्रेम नहीं हो सकता है । यदि प्रेम वास्तव में अन्त:करण का कोई भाव है तो देश के स्वरूप से परिचित और अभ्यस्त हो जाइए ।

बाहर निकलिए तो आँख खोलकर देखिए कि खेत कैसे लहलहा रहे हैं, नाले झाड़ियों के बीच कैसे बह रहे हैं, टेसू के फूलों से वनस्थली कैसी लाल हो रही है ! कछारों में चौपायों के झुंड इधर-उधर चरते हैं, चरवाहे तान लड़ा रहे हैं, अमराइयों के बीच गाँव झाँक रहे हैं; उनमें घुसिए, देखिए तो क्या हो रहा है । जो मिले, उससे दो-दो बातें कीजिए, उनके साथ किसी पेड़ की छाया के नीचे घड़ी-आध-घड़ी बैठ जाइए इसलिए कि वे सब हमारे देश के हैं । इस प्रकार जब देश का रूप आपकी बुद्धि में समा जाएगा, आप उनके अंग-प्रत्यंग से परिचित हो जाएँगे, तब आप के अन्त:करण में इस इच्छा का सचमुच उदय होगा कि वह कभी न छूटे, वह सदा हरा-भरा और फला-फूला रहे, उसके धनधान्य की वृद्धि हो, उसके सभी प्राणी सुखी रहें ।

(क) 'परचना' से लेखक का क्या तात्पर्य है ? इसके लिए लेखक ने किस-किस का उदाहरण दिया है ? स्पष्ट कीजिए । **2**

(ख) परिचय को प्रेम का प्रवर्तक कैसे कहा जा सकता है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **2**

(ग) देश किसे कहा गया है ? लेखक के मन्तव्य को समझाइए । **2**

(घ) देश के स्वरूप से परिचित होने के लिए लेखक ने किन बातों का उल्लेख किया है, उनमें से किन्हीं दो बातों पर प्रकाश डालिए । **2**

(ङ) देशवासियों के साथ घड़ी-आध-घड़ी बैठकर बात करने का सुझाव लेखक ने किस उद्देश्य से दिया है ? **2**

(च) देश से प्रेम हो जाने पर अन्तर्मन के भावों में क्या परिवर्तन हो जाता है ? **2**

(छ) देश के रूप-सौंदर्य के अभ्यस्त हो जाने के लिए हमें क्या करना चाहिए ? **2**

(ज) प्रस्तुत गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । **1**

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **1 × 5 = 5**

जीवन में एक सितारा था,
माना, वह बेहद प्यारा था,
वह डूब गया तो डूब गया ।
अम्बर के आनन को देखो;
कितने इसके तारे टूटे,
कितने इसके प्यारे छूटे
जो छूट गए फिर कहाँ मिले
पर बोलो टूटे तारों पर
कब अंबर शोक मनाता है
जो बीत गई सो बात गई ।

जीवन में वह था एक कुसुम,
थे उस पर नित्य निछावर तुम,
वह सूख गया तो सूख गया;
मधुबन की छाती को देखो,
सूखी कितनी इसकी कलियाँ
मुरझाईं कितनी वल्लरियाँ,
जो मुरझाईं फिर कहाँ खिलीं,
पर बोलो सूखे फूलों पर
कब मधुबन शोर मचाता है
जो बीत गई सो बात गई ।

(क) 'जो बीत गई सो बात गई' कथन का भाव समझाइए ।

(ख) आकाश का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

(ग) प्रिय पात्र के बिछुड़ने पर शोक क्यों नहीं मनाना चाहिए ?

(घ) कलियों और बेलों के मुरझाने से कवि का क्या तात्पर्य है ?

(ङ) प्रस्तुत काव्यांश के मुख्य भाव को दो-तीन वाक्यों में स्पष्ट कीजिए ।

खंड – 'ख'

3. खाद्य-पदार्थों पर प्राय: होने वाली मिलावट पर रोक लगाने के लिए ज़िला खाद्य-अधिकारी को पत्र लिखिए जिसमें ठोस कदम उठाने का निवेदन किया गया हो । **5**

अथवा

आपने बारहवीं कक्षा की पढ़ाई के साथ-साथ सायंकाल के समय कम्प्यूटर की ट्रेनिंग में भी दक्षता प्राप्त कर ली । आपके विद्यालय में प्राइमरी कक्षाओं के लिए कम्प्यूटर शिक्षक के दो स्थान खाली हैं । अपना स्ववृत्त लिखते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्य को आवेदन-पत्र लिखिए ।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबंध लिखिए : **10**

(क) बेटी पढ़ाओ, देश बचाओ

(ख) हमारे गाँव

(ग) स्वच्छ भारत-अभियान

(घ) भ्रष्टाचार का दानव

5. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : **$1 \times 5 = 5$**

(क) भारत में पहला छापाखाना कब और कहाँ खोला गया ?

(ख) टेलीविजन पर समाचार वाचक की किन्हीं दो विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ग) सम्पादकीय किसे कहते हैं ?

(घ) भारत में वेब पत्रकारिता की शुरुआत करने का श्रेय किसे दिया जाता है ?

(ङ) इन-डेप्थ रिपोर्ट किसे कहा जाता है और उसकी क्या उपयोगिता होती है ?

6. "भारी बस्तों के बोझ से दबता बचपन" विषय पर एक आलेख लिखिए । **5**

खंड – 'ग'

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **8**

मुझ भाग्यहीन की तू संबल
युग वर्ष बाद जब हुई विकल,
दुख ही जीवन की कथा रही
क्या कहूँ आज, जो नहीं कही !
हो इसी कर्म पर वज्रपात
यदि धर्म, रहे नत सदा माथ
इस पथ पर, मेरे कार्य सकल
हों भ्रष्ट शीत के-से शतदल !
कन्ये, गत कर्मों का अर्पण
कर, करता मैं तेरा तर्पण !

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) 'दीप अकेला' के प्रतीकार्थ को स्पष्ट करते हुए बताइए कि कवि ने इसे स्नेहभरा, गर्वभरा और मदमाता क्यों कहा है ?

(ख) 'वसंत आया' कविता में कवि की चिंता क्या है ? उसका प्रतिपाद्य लिखिए ।

(ग) 'कार्नेलिया का गीत' में भारत की किन विशेषताओं की ओर संकेत किया गया है उनका अपने शब्दों में वर्णन कीजिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** काव्यांशों का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए : **3 + 3 = 6**

(क) कुसुमित कानन हेरि कमल मुखि,
मूँदि रहए दु नयान ।
कोकिल-कलरव, मधुकर-धुनि सुनि,
कर देइ झाँपइ कान ।।

(ख) तोड़ो तोड़ो तोड़ो
ये ऊसर बंजर तोड़ो
ये चरती परती तोड़ो
सब खेत बनाकर छोड़ो
मिट्टी में रस होगा ही जब वह पोसेगी बीज को
हम इसको क्या कर डालें, इस अपने मन की खीज को ?

(ग) श्रमित स्वप्न की मधुमाया में,

गहन-विपिन की तरु-छाया में

पथिक उनींदी श्रुति में किसने –

यह विहाग की तान उठाई ।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **6**

पेड़ों के घने झुरमुट, साफ-सुथरे खप्पर लगे मिट्टी के झोंपड़े और पानी । चारों तरफ पानी । अगर मोटर-रोड़ की भागती बस की खिड़की से देखो, तो लगेगा जैसे ज़मीन एक झील है; एक अन्तहीन सरोवर, जिसमें पेड़, झोंपड़े, आदमी, ढोर-डाँगर आधे पानी में आधे ऊपर तिरते दिखाई देते हैं, मानो किसी बाढ़ में सब कुछ डूब गया हो, पानी में धँस गया हो ।

11. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी **अथवा** रामचंद्र शुक्ल के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी भाषा-शैली की दो प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । **6**

अथवा

घनानंद **अथवा** विष्णु खरे के जीवन और रचनाओं का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनके काव्य की दो विशेषताएँ सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

12. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **4 + 4 = 8**

(क) बड़ी बहुरिया का संवाद हरगोबिन क्यों नहीं सुना पाया ? उसकी विवशता पर टिप्पणी कीजिए ।

(ख) कुटज की जीवन जीने की कला से आप क्या प्रेरणा ग्रहण करते हैं ? उसके माध्यम से लेखक ने मनुष्य की किन कमज़ोरियों की ओर संकेत किया है ?

(ग) "मनोकामना की गाँठ भी अद्भुत और अनूठी है, इधर बाँधो उधर लग जाती है ।" कथन के आधार पर पारो की मनोदशा का वर्णन कीजिए ।

खंड – 'घ'

13. 'आरोहण' कहानी में भूपसिंह के चरित्र से मिलने वाले मानवीय मूल्यों की चर्चा कीजिए । **5**

14. (क) "बच्चे का माँ का दूध पीना सिर्फ दूध पीना नहीं, माँ से बच्चे के सारे संबंधों का जीवन चरित होता है ।" कैसे ? "बिस्कोहर की माटी" पाठ के आधार पर पुष्टि कीजिए । **5**

(ख) जीवन को खेल समझने की सीख उदास-निराश सूरदास को कैसे मिली ? इसकी उस पर क्या प्रतिक्रिया हुई ? **5**

29/1/3 8